7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़

राजधानी
वर्ष 10 | अंक 04 | पृष्ठ : 20+8 = 28
मूल्य : तीन रुपये
या चार रुपये उड़ान सहित

अमर उजाला

लखनऊ
बुधवार, 28 जून 2017
amarujala.com

MY City VII lucknow.amarujala.com लखनऊ जून 28, 2017 बुधवार अमर उजाला

साइलेंसर की गैसों से जैक बनाने का दावा

लखनऊ। कार के साइलेंसर से केवल प्रदूषण ही नहीं निकलता, इससे जुगाड़ कर कार को मुसीबत के समय उठाकर पहिया भी बदला जा सकता है। लखनऊ के एक कॉलेज, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के शोधार्थियों ने ऐसा ही एक जैक बनाने का दावा किया है। यह जैक कार के साइलेंसर से निकलने वाली गैसों की ताकत से अपना काम करता है। मंगलवार को खुद प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन ने इस जैक को देखा।

इनोवेशन के बाद बना जैक।

कॉलेज के डीन और वैज्ञानिक प्रो. भरतराज सिंह ने बताया कि यह जैक कार की एग्जॉस्ट गैस से यह जैक चलता है। बिना एक्सीलरेट किए ही पांच मिनट में जैक 500 किग्रा तक की कार को 10-11 इंच तक उठा देता है। अगर काम को जल्दी करना है तो फिर एक्सीलरेटर का उपयोग किया जा सकता है। जैक के उपयोग केलिए बस साइलेंसर से जैक को कनेक्ट भर करना होगा। यह जैक उन महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद होगा जोकि अकेले ही ड्राइव करती हैं। अकेले ड्राइवर के लिए भी यह मददगार साबित होगा। प्रो. सिंह ने कैबिनेट मंत्री को बताया कि जैक का वजन केवल आठ किग्रा है। इस जैक को अब पेटेंट केलिए भेजा गया है। यूपीसीएसटी की मदद से इसका पेटेंट होने के बाद कॉमर्शियल उपयोग शुरू किया जा सकेगा। इसके अलावा मंत्री को कालेज में बनाई गई हवा से चलने वाली एयर-ओ-बाइक, सोलर कार का प्रदर्शन कर दिखाया गया। ब्यूरो